International Journal of Advance and Applied Research
www.ijaar.co.in
ISSN – 2347-7075 Impact Factor – 8.141
Peer Reviewed Bi-Monthly
Vol. 11 No. 6 July-Aug 2024

जनपद जौनपुर में विकासखण्डवार आधारभूत संरचना की प्रगति का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. पुष्पा रानी गंगवार
विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, सी. एस. एन. पी. जी. महाविद्यालय हरदोई (उ. प्र.)
Corresponding Author: डॉ. पुष्पा रानी गंगवार
DOI- 10.5281/zenodo.13194984

सारांश

इस अध्ययन का उद्देश्य जनपद जौनपुर के विभिन्न विकासखण्डों में पक्की सड़कों की लंबाई, प्रति व्यवसायिक बैंक शाखा पर जनसंख्या और विद्युतिकृत ग्रामों के कुल आबाद ग्रामों से प्रतिशत का विश्लेषण करना है। 2010–11 से 2021–22 और 2022–23 के बीच इन मापदंडों में हुए परिवर्तनों और प्रगति का आकलन किया गया है। अध्ययन के लिए संबंधित सरकारी विभागों से 2010–11, 2020–21 और 2021–22 के वर्षों के आंकड़ो का संग्रह किया गया है। परिणामस्वरूप, अधिकांश विकासखण्डों में पक्की सड़कों की लंबाई में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, बैंकिंग सुविधाओं में सुधार के चलते प्रति व्यवसायिक बैंक शाखा पर जनसंख्या में कमी आई है, और विद्युतिकरण में पूर्ण सुधार हुआ है, जिससे सभी ग्राम 100: विद्युतिकृत हो गए हैं। यह अध्ययन स्पष्ट करता है कि जनपद जौनपुर के विभिन्न विकासखण्डों में आधारभूत संरचना, बैंकिंग सुविधाओं और विद्युतिकरण के स्तर में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

मुख्य शब्द– आधारभूत संरचना, बैंकिंग सुविधा, विद्युतिकरण, पक्की सड़कें।

प्रस्तावना

जनपद जौनपुर में विभिन्न विकासखण्डों में विकास संबंधी मापदंडों पर विस्तृत आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं, जिनमें पक्की सड़कों की लंबाई, प्रति व्यवसायिक बैंक शाखा पर जनसंख्या, और विद्युतिकृत ग्रामों का कुल आबाद ग्रामों से प्रतिशत शामिल हैं। 2010–11 से 2021–22 और 2022–23 तक इन मापदंडों के अध्ययन से पता चलता है कि इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति और सुधार हुए हैं।

उदाहरण के लिए, सुइथाकला में 2010–11 में पक्की सड़कों की लंबाई 187 कि.मी. से बढ़कर 2021–22 में 274.4 कि.मी. हो गई। इसी प्रकार, प्रति व्यवसायिक बैंक शाखा पर जनसंख्या 2010–11 में 19586 से घटकर 2021–22 और 2022–23 में 14381. 08 हो गई, जिससे बैंकिंग सुविधाओं में सुधार का संकेत मिलता है। इसके अलावा, 2010–11 से 2021–22 और 2022–23 के बीच सभी विकासखण्डों में विद्युतिकृत ग्रामों का प्रतिशत 100 प्रतिशत हो गया, जबकि पहले यह अधिकांश विकासखण्डों में 60 प्रतिशत से 95 प्रतिशत के बीच था। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जौनपुर के सभी विकासखण्डों में आधारभूत संरचना, बैंकिंग सुविधाओं और विद्युतिकरण में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं, जिससे क्षेत्र का समग्र विकास हुआ है।

अध्ययन क्षेत्र

जनपद जौनपुर वाराणसी मंडल के उत्तर–पश्चिम भाग में स्थित है, इसका अक्षांशीय विस्तार $25^{\circ}24'$ और $26^{\circ}12'$ उत्तरी अक्षांश के मध्य, एवं देशांतरीय विस्तार $82^{\circ}7'$ और $83^{\circ}5'$ पूर्वी देशांतर के मध्य है। अध्यक्ष एक जौनपुर के पश्चिम में प्रतापगढ़ एवं दक्षिण–पश्चिम में प्रयागराज जनपद स्थित है, दक्षिण में संतकबीर नगर पूर्व में गाजीपुर, आजमगढ़ और उत्तर में सुल्तानपुर जिला अध्ययन क्षेत्र की सीमाओं का निर्धारण करते हैं।

अध्ययन क्षेत्र की अधिकांश सीमा कृत्रिम है हालांकि कुछ स्थानों पर यह नदियों द्वारा चिन्हित की गई हैं। जनपद जौनपुर की लंबाई उत्तर से दक्षिण पचासी किलोमीटर एवं पूर्व से पश्चिम 90 किलोमीटर की चौड़ाई में विस्तृत है। अध्ययन क्षेत्र जनपद जौनपुर का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 4038 वर्ग किलोमीटर है।

मनचित्र क्रमांक 1

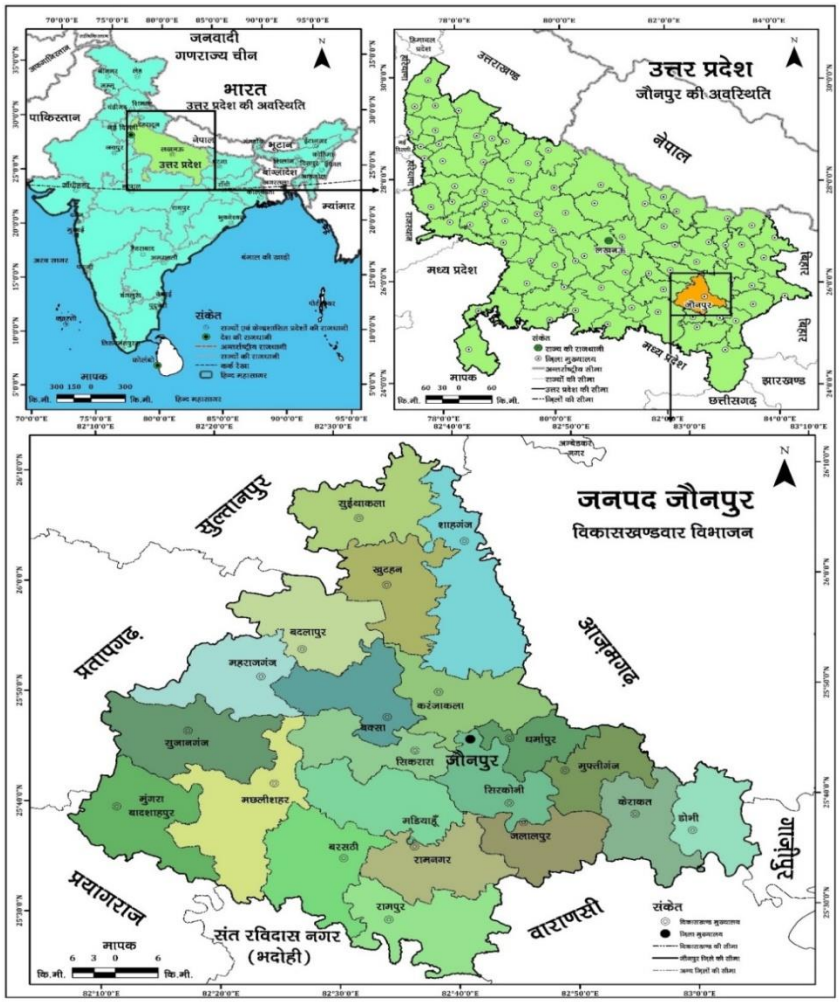

उद्देश्य

- जनपद जौनपुर के विभिन्न विकासखण्डों में पक्की सड़कों की लंबाई, प्रति व्यवसायिक बैंक शाखा पर जनसंख्या और विद्युतिकृत ग्रामों के कुल आबाद ग्रामों से प्रतिशत का विश्लेषण करना।
- अध्ययन क्षेत्र में 2010–11 से 2021–22 और 2022–23 के बीच इन मापदंडों में हुए परिवर्तनों और प्रगति का आकलन करना।
- विभिन्न विकासखण्डों के बीच बुनियादी ढांचे, बैंकिंग सुविधाओं और विद्युतिकरण के स्तर की तुलनात्मक अध्ययन करना।

विधितंत्र

प्रस्तुत शोध पत्र में शोध विधि के अंतर्गत शोधार्थी द्वारा द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। आंकड़ों का विश्लेषण शोधार्थी ने MS Excel से किया है। जिन्हे सारणी एवं आरेख के माध्यम से शोधार्थी ने प्रस्तुत किया है। शोध पत्र में अध्ययन क्षेत्र का मानचित्र Arc GIS एप्लीकेशन द्वारा निर्मित है। 2010–11, 2020–21 और 2021–22 के वर्षों के लिए संबंधित सरकारी विभागों से पक्की सड़कों की लंबाई, प्रति व्यवसायिक बैंक शाखा पर जनसंख्या और विद्युतिकृत ग्रामों का डेटा संग्रह करना।

पक्की सड़कों की लंबाई

सारणी क्रमांक–1 जनपद जौनपुर में विभिन्न विकासखण्डों में प्रति लाख जनसंख्या पर कुल पक्की सड़कों की लंबाई (कि. मी.) के आंकड़ों को दर्शाती है, जिसमें वर्ष 2010–11, 2020–21 और 2021–22 के लिए आंकड़े शामिल है। इन आंकड़ों के अनुसार, अधिकांश विकासखण्डों में सड़कों की लंबाई में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए, सुइथाकला में 2010–11 में 187 कि. मी. से बढ़कर 2021–22 में 274.4 कि. मी., शाहगंज में 136.8 कि. मी. से 192.99 कि. मी., खुटहन में 157.4 कि. मी. से 187.36 कि. मी., करंजाकला में 165.5 कि. मी. से 197.22 कि. मी., बदलापुर में 141.8 कि. मी. से 240.93 कि. मी., महराजगंज में 170.9 कि. मी. से 258.73 कि. मी., बक्सा में 179.3 कि. मी. से 205.26 कि. मी., सुजानगंज में 149.3 कि. मी. से 200.08 कि. मी., मुगराबादशाहपुर में 181 कि. मी. से 219.83 कि. मी., मछलीशहर में 156.4 कि. मी. से 183.45 कि. मी., मड़ियाहू में 151.6 कि. मी. से 187.63 कि. मी., बरसठी में 148.6 कि. मी. से 234.91 कि. मी., सिकरारा में 164.2 कि. मी. से 198.33 कि. मी., धर्मापुर में 221 कि. मी. से 273.97 कि. मी., रामनगर में 128.3 कि. मी. से 136 कि. मी., रामपुर में 135.7 कि. मी. से 181.99 कि. मी., मुफ्तीगंज में 206.3 कि. मी. से 256.86 कि. मी., जलालपुर में 154 कि. मी. से 212.98 कि. मी., केराकत में 138.8 कि. मी. से 183.59 कि. मी., डोभी में 161.2 कि. मी. से 218.26 कि. मी., सिरकोनी में 204.7 कि. मी. से 173.82 कि. मी., और समस्त विकासखण्ड में 163.8 कि. मी. से 210.41 कि. मी. की वृद्धि हुई है। यह सारणी क्रमांक–1

दर्शाती है कि इन क्षेत्रों में आधारभूत संरचना में सुधार हुआ है।

सारणी क्रमांक–1

जनपद जौनपुर में विकासखण्डवार प्रति लाख जनसंख्या पर कुल पक्की सड़कों की लम्बाई (कि. मी.) 2023			
विकासखण्ड	**2010-11**	**2020-21**	**2021-22**
सुइथाकला	187	270.12	274.4
शाहगंज	136.8	191.05	192.99
खुटहन	157.4	184.14	187.36
करंजाकला	165.5	195.18	197.22
बदलापुर	141.8	238.32	240.93
महराजगंज	170.9	254.51	258.73
बक्सा	179.3	202.28	205.26
सुजानगंज	149.3	197.23	200.08
मुगराबादशाहपुर	181	216.8	219.83
मछलीशहर	156.4	180.82	183.45
मड़ियाहू	151.6	184.33	187.63
बरसठी	148.6	231.32	234.91
सिकरारा	164.2	195.06	198.33
धर्मापुर	221	265.24	273.97
रामनगर	128.3	132.68	136
रामपुर	135.7	178.62	181.99
मुफ्तीगंज	206.3	251.38	256.86
जलालपुर	154	208.73	212.98
केराकत	138.8	180.34	183.59
डोभी	161.2	214.1	218.26
सिरकोनी	204.7	170.06	173.82
समस्त विकासखण्ड	163.8	206.78	210.41

स्त्रोत– जिला सांख्यिकीय पत्रिका 2023

आरेख क्रमांक–1

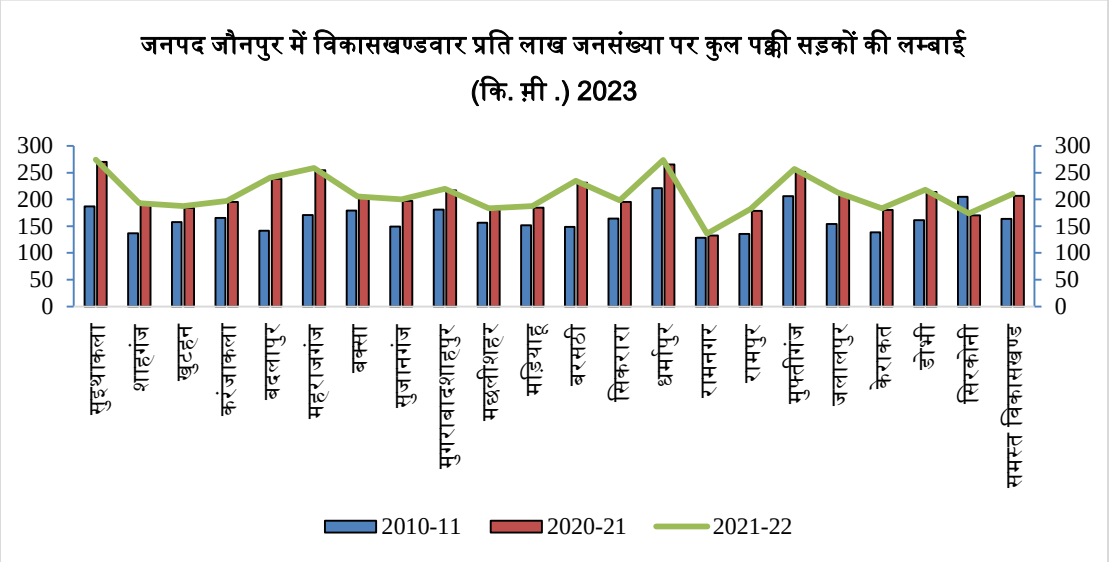

व्यवसायिक बैंक

तालिक–2 अध्ययन क्षेत्र जनपद जौनपुर के विभिन्न विकासखण्डों में प्रति व्यवसायिक बैंक शाखा पर जनसंख्या के आंकड़ों को दर्शाती है, जिसमें वर्ष 2010–11, 2021–22 और 2022–23 के लिए आंकड़े शामिल है। आंकड़ो के अनुसार, सुइथाकला में 2010–11 में 19586 से घटकर 2021–22 और 2022–23 में 14381.08, शाहगंज में 24992 से 11476.41, खुटहन में 23262 से 24196.44, करंजाकला में 13063 से 11155.32, बदलापुर में 22254 से 10452.05, महराजगंज में 24286 से 15073.36, बक्सा में 22517 से 18336, सुजानगंज में 20464 से 16185.62, मुगराबादशाहपुर में 27722 से 11639.94, मछलीशहर में 27669 से 11992.32, मड़ियाहू में 20967 से 10606.25, बरसठी में 26348 से 16247.42, सिकरारा में 22446 से 14078.77, धर्मापुर में 15123 से 9551.08, रामनगर में 27387 से 16232.85, रामपुर में 23770 से 18882.09, मुफ्तीगंज में 22777 से 11608.82, जलालपुर में 18508 से 14982.18, केराकत में 27015 से 11506.31, डोभी में 16332 से 12010.36, सिरकोनी में 26870 से 10323.33, और समस्त विकासखण्ड में 22540.86 से 13853.24 हो गई है। सारणी क्रमांक–2 दर्शाती है कि अधिकांश विकासखण्डों में प्रति व्यवसायिक बैंक शाखा पर जनसंख्या में कमी आई है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इन क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं में सुधार हुआ है।

सारणी क्रमांक–2

जनपद जौनपुर में प्रति व्यवसायिक बैंक शाखा पर जनसंख्या 2023			
विकासखण्ड	**2010-11**	**2021-22**	**2022-23**
सुइथाकला	19586	14381.08	14381.08
शाहगंज	24992	11476.41	11476.41
खुटहन	23262	24196.44	24196.44
करंजाकला	13063	11155.32	11155.32
बदलापुर	22254	10452.05	10452.05
महराजगंज	24286	15073.36	15073.36
बक्सा	22517	18336	18336
सुजानगंज	20464	16185.62	16185.62
मुगराबादशाहपुर	27722	11639.94	11639.94
मछलीशहर	27669	11992.32	11992.32
मड़ियाहू	20967	10606.25	10606.25
बरसठी	26348	16247.42	16247.42
सिकरारा	22446	14078.77	14078.77
धर्मापुर	15123	9551.08	9551.08
रामनगर	27387	16232.85	16232.85

रामपुर	23770	18882.09	18882.09
मुफ्तीगंज	22777	11608.82	11608.82
जलालपुर	18508	14982.18	14982.18
केराकत	27015	11506.31	11506.31
डोभी	16332	12010.36	12010.36
सिरकोनी	26870	10323.33	10323.33
समस्त विकासखण्ड	22540.86	13853.24	13853.24

स्त्रोत– जिला सांख्यिकीय पत्रिका 2023

आरेख क्रमांक–2

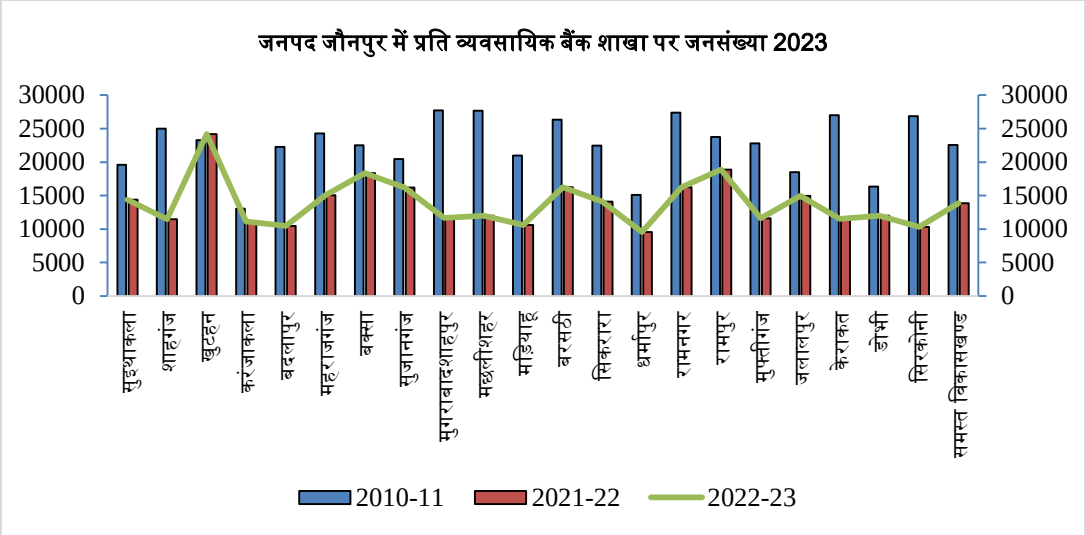

विद्युतिकृत ग्राम

जनपद जौनपुर में विभिन्न विकासखण्डों में विद्युतिकृत ग्रामों का कुल आबाद ग्रामों से प्रतिशत के आंकड़ों को दर्शाती है, जिसमें वर्ष 2010–11, 2021–22 और 2022–23 के लिए डेटा शामिल है। तालिका के अनुसार, वर्ष 2010–11 में अधिकांश विकासखण्डों में विद्युतिकृत ग्रामों का प्रतिशत 60 प्रतिशत से 95 प्रतिशत के बीच था, जबकि 2021–22 और 2022–23 में सभी विकासखण्डों में विद्युतिकृत ग्रामों का प्रतिशत 100 प्रतिशत हो गया है। विशेष रूप से, सुइथाकला में 2010–11 में 77. 7 प्रतिशत से बढ़कर 2021–22 और 2022–23 में 100 प्रतिशत, शाहगंज में 69.4 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, खुटहन में 67.4 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, करंजाकला में 69.6 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, बदलापुर में 71.9 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, महराजगंज में 73.7 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, बक्सा में 69 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, सुजानगंज में 68.8 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, मुगराबादशाहपुर में 90 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, मछलीशहर में 71.2 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, मड़ियाहू में 72.8 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, बरसठी में 78.1 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, सिकरारा में 69 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, धर्मापुर में 76.1 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, रामनगर में 70.1 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, रामपुर में 68.8 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, मुफ्तीगंज में 94.7 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, जलालपुर में 91.3प्रतिशत से 100 प्रतिशत, केराकत में 85.7 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, डोभी में 79 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, सिरकोनी में 61.1 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, और समस्त विकासखण्ड में 75.02 प्रतिशत से 100 प्रतिशत हो गया है। सभी विकासखण्डों में विद्युतिकरण में पूर्ण सुधार हुआ है और अब सभी ग्राम 100 प्रतिशत विद्युतिकृत हैं।

सारणी क्रमांक–3

जनपद जौनपुर में विद्युतिकृत ग्रामों का कुल आबाद ग्रामों से प्रतिशत 2023			
विकासखण्ड	**2010-11**	**2021-22**	**2022-23**
सुइथाकला	77.7	100	100

शाहगंज	69.4	100	100
खुटहन	67.4	100	100
करंजाकला	69.6	100	100
बदलापुर	71.9	100	100
महराजगंज	73.7	100	100
बक्सा	69	100	100
सुजानगंज	68.8	100	100
मुगराबादशाहपुर	90	100	100
मछलीशहर	71.2	100	100
मड़ियाहू	72.8	100	100
बरसठी	78.1	100	100
सिकरारा	69	100	100
धर्मापुर	76.1	100	100
रामनगर	70.1	100	100
रामपुर	68.8	100	100
मुफ्तीगंज	94.7	100	100
जलालपुर	91.3	100	100
केराकत	85.7	100	100
डोभी	79	100	100
सिरकोनी	61.1	100	100
समस्त विकासखण्ड	75.02	100	100

स्त्रोत– जिला सांख्यिकीय पत्रिका 2023

निष्कर्ष

- पक्की सड़कों की लंबाई– विभिन्न विकासखण्डों में पक्की सड़कों की लंबाई में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जैसे सुइथाकला में 2010–11 में 187 कि.मी. से बढ़कर 2021–22 में 274.4 कि.मी. हो गई। यह संकेत करता है कि आधारभूत संरचना में सुधार हुआ है और क्षेत्र में यातायात सुविधाएं बेहतर हुई हैं।
- प्रति व्यवसायिक बैंक शाखा पर जनसंख्या– 2010–11 से 2021–22 और 2022–23 के दौरान अधिकांश विकासखण्डों में प्रति व्यवसायिक बैंक शाखा पर जनसंख्या में कमी आई है। जैसे–सुइथाकला में यह संख्या 19586 से घटकर 14381.08 हो गई। इससे स्पष्ट होता है कि बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार हुआ है और लोगों की बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच बढ़ी है।
- विद्युतिकृत ग्राम– 2010–11 से 2021–22 और 2022–23 के बीच सभी विकासखण्डों में विद्युतिकृत ग्रामों का प्रतिशत 100 प्रतिशत हो गया है। पहले यह अधिकांश विकासखण्डों में 60 प्रतिशत से 95 प्रतिशत के बीच था। इसका मतलब है कि अब सभी ग्राम पूरी तरह से विद्युतिकृत हो चुके हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

सुझाव

- सड़क निर्माण की गुणवत्ता– पक्की सड़कों की लंबाई में वृद्धि के साथ–साथ उनकी गुणवत्ता पर भी ध्यान देना आवश्यक है। बेहतर सामग्री और निर्माण तकनीकों का उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए ताकि सड़कें टिकाऊ और लंबे समय तक उपयोगी रहें।
- बैंकिंग सेवाओं का विस्तार–प्रति व्यवसायिक बैंक शाखा पर जनसंख्या में कमी आई है, लेकिन अभी भी कुछ क्षेत्रों में और अधिक शाखाओं की आवश्यकता हो सकती है। मोबाइल बैंकिंग वैन और डिजिटल बैंकिंग सेवाओं को बढ़ावा देकर अधिक से अधिक लोगों तक बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाई जा सकती हैं।
- विद्युतिकरण के बाद की सेवाएं– विद्युतिकरण के बाद यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि विद्युत आपूर्ति निरंतर और निर्बाध हो। ट्रांसफार्मर और अन्य बुनियादी ढांचे को नियमित रूप से बनाए रखा जाए ताकि बिजली की कटौती न हो।
- स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं का विकास– सड़कों और बैंकिंग सुविधाओं के साथ–साथ स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं पर भी ध्यान देना आवश्यक है। ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों, क्लीनिकों और स्कूलों का निर्माण और सुधार किया जाना चाहिए।

- सामुदायिक भागीदारी– विकास योजनाओं में स्थानीय समुदायों की भागीदारी को बढ़ावा देना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि विकास कार्य स्थानीय आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुरूप हों।
- सतत् विकास– पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ विकास पर ध्यान दिया जाना चाहिए। विकास योजनाओं में पर्यावरण संरक्षण के उपायों को शामिल किया जाए ताकि विकास के साथ–साथ पर्यावरण का भी संरक्षण हो।
- इन सिफारिशों का पालन करने से जनपद जौनपुर के विभिन्न विकासखण्डों में समग्र और संतुलित विकास को बढ़ावा मिलेगा।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. 2011, District Census Handbook, Part XIIA, Jaunpur District.
2. 1986, District Gazetteers, Jaunpur.
3. 2022, District Statistical Magazine, Jaunpur District.
4. 2022, District Socioeconomic Magazine, Jaunpur District.
5. चौरसिया, महीप, 2018. सामाजिक–आर्थिक रूपांतरण एवं ग्रामीण विकासः जौनपुर जनपद का एक भौगोलिक अध्ययन, स्वीकृत शोध प्रस्ताव वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर।
6. तिवारी, आर.सी. और सिंह, बी.एन. 2014, कृषि भूगोल, प्रवालिका पब्लिकेशन, प्रयागराज
7. तिवारी, आर.सी. एवं सिंह, बी.एन. 2018, कृषि भूगोल, प्रवालिका पब्लिकेशन, प्रयागराज
8. माथुर, बी0एल0 2017, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,
9. मौर्य, एस.डी. 2012. मानव एवं आर्थिक भूगोल, शारदा पुस्तक भवन, प्रयागराज,
10. सिंह, रवीन्द्र, 2009, जौनपुर (जनपद के ग्रामीण विकास में जैव संसाधनों की भूमिका, शोध प्रबंध, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
11. सिंह, बैजनाथ 2011, सामुदायिक ग्रामीण विकास, अर्जुन पब्लिशिंग नई दिल्ली,
12. जिला खादी एवं ग्रामोद्योग कार्यालय, जौनपुर
13. जिला सांख्यिकीय पत्रिका जनपद जौनपुर
14. जिला हथकरघा कार्यालय, जौनपुर
15. कुमार, एस. (2018). उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की स्थिति और विकास एक तुलनात्मक अध्ययन. पीएच.डी. शोध प्रबंध, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी.
16. शर्मा, आर. (2017). उत्तर प्रदेश के ग्रामीण बैंकों की भूमिका जनपद जौनपुर का अध्ययन मास्टर शोध प्रबंध, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़.
17. यादव, पी. (2019). उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतीकरण की प्रगति जनपद जौनपुर का एक केस स्टडी पीएच.डी. शोध प्रबंध, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ.
18. वर्मा, एम. (2020). जनपद जौनपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास और उसका प्रभाव मास्टर शोध प्रबंध, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी.
19. सिंह,ए. (2016). ग्रामीण विकास में बैंकिंग सुविधाओं का योगदान जनपद जौनपुर का एक केस स्टडी पीएच. डी. शोध प्रबंध, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज.
20. मिश्रा, जे. (2017). जनपद जौनपुर में पक्की सड़कों की स्थिति और विकास मास्टर शोध प्रबंध, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर.
21. तिवारी, आर. (2018). उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं का विकास एक तुलनात्मक अध्ययन पीएच.डी. शोध प्रबंध, कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर.
22. गुप्ता, वी. (2021). उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतिकरण का प्रभाव जनपद जौनपुर का अध्ययन. मास्टर शोध प्रबंध, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ.
23. पांडेय, एस. (2019). जनपद जौनपुर के विभिन्न विकासखण्डों में आधारभूत संरचना की प्रगति पीएच.डी. शोध प्रबंध, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद.
24. चौधरी, पी. (2016). उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की विकास योजनाएं मास्टर शोध प्रबंध, आगरा विश्वविद्यालय, आगरा.
25. राय, डी. (2020). जनपद जौनपुर में ग्रामीण विकास परियोजनाओं का विश्लेषण पीएच.डी. शोध प्रबंध, उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, नोएडा.
26. कांत, ए. (2017). जनपद जौनपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकों की पहुँच और सेवाओं का प्रभाव मास्टर शोध प्रबंध, मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ.
27. त्रिपाठी, एन. (2018). उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतीकरण की प्रगति जनपद जौनपुर का अध्ययन पीएच.डी. शोध प्रबंध, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन.
28. कौशिक, एस. (2019). जनपद जौनपुर में सड़क विकास की परियोजनाएं और उनका सामाजिक–आर्थिक प्रभाव. मास्टर शोध प्रबंध, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर.
29. मौर्या, जी. (2020). उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं का विस्तार एक केस स्टडी पीएच.डी. शोध प्रबंध, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर.
30. शुक्ला, के. (2018). जनपद जौनपुर में विद्युतीकरण के बाद के सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन मास्टर शोध प्रबंध, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ.
31. मिश्रा, ए. (2019). उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का विकास और उसकी चुनौतियां. पीएच.डी. शोध प्रबंध, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी.
32. अग्रवाल, ए. (2017). जनपद जौनपुर के विभिन्न विकासखण्डों में बैंकिंग सेवाओं का तुलनात्मक अध्ययन. मास्टर शोध प्रबंध, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली.